



1/465

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 1] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 1, 1982/माघ 12, 1903
No. 1] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 1, 1982/MAGHA 12, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सो०/एम्पू०/एस० आर०-III/5/81/193—अतः मुझे एम्पू० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम्पू-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और जगमें उदात्त अनुसूची में पूर्व क्रम से वर्णित 'रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्रम में तथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई हिमो आय को अर्जन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देव के अन्तरक के कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. सै० माधुसूदन दिन्नी बिन्धुसै प्रा० लि० 23/2 मुसुकमराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कीन द्वारा) (अन्तरक)
2. श्रीमती माहा बीन पारा कज्जामा कनोकरम गली, मुरादाबाद (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्कालीन व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर उक्त स्थवर सम्पत्ति में निम्नलिखित दिनांक पर उक्त द्वारा, अवहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दया परिसंज्ञित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(सेक्सेन्ट) प्रो० न० एम-13 ग्रेटर कैलाश, नयी दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-1-82

मोहर :

MINISTRY OF FINANCE

Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq I/SR-III/5-81/193.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Basement (S-13) situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders (P) Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- Smt. Shahana Begum w/o Fazallahma r/o Knokram Street, Moradabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

- by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Basement in property No. S-13, Greater Kailash-I, N. Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax) Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

Dated : 23-1-82

Seal

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1)
के अधोल सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एचयू० 1/एस० आर०-III/5-81-302.—अतः मुझे एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धर्मरकों) और धर्मरिती (धर्मरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उम्मेदबन्दी में सुविधा के लिए और/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या धर्म प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तररिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मै० साऊथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि० 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमला नारायण कौल द्वारा) (धर्मरक)
- श्रीमती जान कौर पत्नी श्री एम० जगत सिंह सी/प्रो० हाथ बाजार अनुसूचक (धर्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जों के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जों के पश्चात् में कोई भी आक्षेप

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए, एस-13 का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

तारीख 23-1-1982
मोहर

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/302.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 'A', S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders (P) Ltd., r/o 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- M/s. Geyan Kaur w/o S. Jagat Singh C/o Hall Bazar, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette;

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 'A' (Ground Floor) part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date : 23-1-1982

Seal:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B(1)
के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एसयू-1/एस० आर-III/5-81/242 :—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दायित्व, मई, 1981 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम के पदार्थ प्रमाण पर्यंत है और अन्तरगत (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरगत के दायित्व में कमी करने या उनमें बचत में गुविदा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरणों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता बट्टा या, छिपाये में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घषांत :—

- मैसर्स साऊथ दिल्ली बिल्डर्स (प) लि०, 23/2 युसुफ सराय नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कामल नारायण कौल द्वारा)

(अन्तरक)

2 श्रीमती हेरवर कौर पत्नी सर० जोगिन्द्र सिंह,

पता : डी-16, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-110048 (अन्तरिणी)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से

30 दिन की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तुतारी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पदों परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी० साउथ दिल्ली, प्रॉ० नं० एस-13 का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अंचल रेंज I दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-1982

मोहर

Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No.IAC/Acq. 1/SR-III/5-81/242.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No. 'B' G.F. S-13, situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. South Delhi Builders Pvt Ltd, 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through Director Shri. Kamal Naram Kaul. (Transferor);
- Smt. Ishwar Kaur w/o S. Joginder Singh r/o D-16, Kailash Colony, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'B' Ground Floor, measuring 965 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81/1961—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, मई, 1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्राम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैम० साऊथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि०, 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा)
(अन्तरक)

2. श्रीमती मीरा शर्मा, पत्नी श्री वी० के० शर्मा 573. सेक्टर-3
आर० के० पुरम, नई दिल्ली अन्तरिती

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाही शुरू करना ?। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है यही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी, प्रो० नं० एस-13 का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज I

तारीख : 27-1-82

दिल्ली/नई दिल्ली

मोहर

Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SK-III 5-31, 196.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. B, P.I., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Meera Sharma w/o Sh. V. K. Sharma r/o 573, Sector III, R. K. Puram, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 'B' (F.F.) measuring 277.5 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date 27-1-82

Seal

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81/194:—यतः मुझे, एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निगों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैस० साउथ दिल्ली विल्डर्स प्रा० लि० 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा) (अन्तरक)

2. कुमारी रंजना थापर मुमुर्वा स्व० श्री बी० आर० थापर सी०/ओ० सिडिकेट बैंक, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी, एस-13 का हिस्सा, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

तारीख: 27-181 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मोहर दिल्ली/ नई दिल्ली

Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/194.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. C, F.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)

(2) Miss Ranjana Thapar d/o late Sh. B. R. Thapar C/o Syndicate Bank, Asafali Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C, first floor, area 908 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू I/एस० आर०-III/5-81/241 :—अतः मुझे एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम०-13 है तथा जो ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित बना प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना—

1. भैरव साउथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि० (अन्तरक) 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा),
2. श्रीमती सतेन्द्र भगवन्त सिंह पत्नी (अन्तरिणी) स्व० भगवन्त सिंह पत्नी- एम० 13, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विस्तब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवसती, एम० 13, का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I
दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-82

मोहर

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/241.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Barsati, S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul (Transferor).
- (2) Smt. Satinder Bhagwant Singh w/o late Bhagwant Singh, S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Barsati measuring 842.5 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982, Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I

Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एम्पू०-1/एस० आर०-III/5-81/195,--अतः मुझे एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम०-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली 1 में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 81 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नाह प्रत्यक्ष प्रमाण है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट में आन्वयिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तविक से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मे० माउथ दिल्ली विलेज प्रा० लि० (अन्तरण), 23/2 युसुफ गंगाय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा),
2. श्री एम०एन० भार्गव सुप्री श्री आर०डी० भार्गव (हस्तलिखित पता:-एम०-13, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि बाद में समाप्त होनी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दया परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० सी० ग्राउंड फ्लोर, क्षेत्र 750 वर्ग फीट, प्री० न० एस० 13 का हिस्सा ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस०आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

तारीख 27-1-82 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I मोहर दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/ SR-III/5-81/195.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Flat No. C, G.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Naraia Kaul (Transferor).
- (2) Shri S. N. Bhargava S/o Shri R. D. Bhargava R/o S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 'C' Ground Floor, measuring 750 sq. ft. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर० III/5-81/303.—यतः मुझे एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सख्या एम०-11 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दुरुपमान प्रतिकूल

के लिये अन्तर्गत की गई है जो कि मुझे वह विश्वास है कि का कारण है कि प्राचीनता का ज्ञान ही ज्ञान का आधार है, उनका दूरमाना प्रतिक्रिया में, ऐसे दृष्टान्त प्रतिक्रिया के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गत) और अन्तर्गत (अन्तर्गत) के बीच ऐसे अन्तर्गत है। यह ज्ञान का प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से ज्ञान अन्तर्गत विश्वास में वास्तविक रूप से वृद्धि नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तर्गण से हुई विधि यापन को बाधित अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गण करने के अन्तर्गण के अन्तर्गण में कमी करने या उसमें नज़र में सुविधा के लिये, शीघ्र या
- (ख) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य अधिनियमों को, निम्न अन्तर्गण आध अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गण से अन्तर्गण के अन्तर्गण प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, धियान में सुविधा के लिये ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, दण्णीत :-

- (1) मैं माउथ दिल्ली बिल्डर्स प्रां. लिं. 23/2 युमुफ. मगय,
नई दिल्ली (डाइरेक्टर श्री कमल गंगरायन कोल द्वारा) (अन्तर्गत)
- (2) श्रीमती धनबल कौर और मिस्टर मुरजीत सिंह, एम-१०,
मालवीय नगर, नई दिल्ली । (अन्तर्गति)

यो यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाही
एक करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छात्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अमृतसुखी

फ़ैलट नं० (मेजरनीन फ़्लॉर, ब्लॉक ११७ थर्ड फ़ीट), सम्पत्ति नं० एस-१३
मेटर कौलाश-I, नई दिल्ली।

एम्० आर० गुप्ता, सक्षम प्राध्यापक
सद्वृत्त प्राध्यापक (निरीक्षण)
ग्रुप-१, दिल्ली/ नई दिल्ली

**Notice under section 269 D(I) of the Income Tax, Act, 1961
(43 of 1961)**

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/303.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No F-1, S-13, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-110048, is the property of the assessee, I hereby order that the said property be attached in full satisfaction of the said tax liability of the assessee.

lash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Dhanwant Kaur, and Mr. Surjeet Singh r/o M-69, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee) ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette .

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. F-1, Mazanine floor, measuring 887 sq. ft.
part of property No. S-13, Greater Kailash-I,
New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date : 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 ब(1) के अधीन भुक्ताना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एन्फ०-III/एस० आर०-III/5-81/214—अन. सुमे.
एस०आर० मुस्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 268-अ के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह दिखाना करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित
यातार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी संख्या 16/2213 है तथा
जो ताई बाला, करोन बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन जारी सई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आम्नायिक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरव के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

- (1) श्रीमती सरस खल्लर पत्नी श्री के.के. खल्लर 3-बी/5 पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री. लेख राज चान्ना सुपुत्र श्री रामदत्ता मल, बी-3/19, वसन्त विहार, नई दिल्ली। (अन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा प्लॉट नं० 564, ब्लॉक जे०, नई बाला, करोल बाग, नई दिल्ली।

तारीख 27-1-82
मोहर
एस०आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/214.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. XVI/2213, situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt Saras Khullar w/o Sh. K. K. Khullar r/o 3B/5, Poorvi Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Lekh Raj Channa S/o Ram Ditta Mal, B-3/19, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee) ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette ;

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1/3rd share in Plot No 564, Block-J, Naiwala, Karol Bagh, 222 sq yds

Date 27-1-1982
Seal
S. R. GUPTA, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना**

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/5-81/216--अन: मुझे, एम० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमारे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या के-18 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1981 को पूर्वांक मन्त्रि के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गोविन्द राम मुकुन्द ओ गणेश दास, राजारानी पत्नी गोविन्द श्रीमर्ष: सोमवती पत्नी स्व० भूली सिंह, पत्नी के-17 ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. डॉ० जे० एम० माथुर मुकुन्द डॉ० एम० माथुर और डॉ० (श्रीमती) मद्रालमा माथुर पत्नी जे० एम० माथुर, ई-12, पना ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अधूरा मकान (टेम्परेरी स्ट्रक्चर)

प्लॉट नं० के-18, 208 वर्ग गज ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली
खसरा नं० 4, खतौनी नं० 12/56, क्षेत्र गांव का : युमुफ संगाय, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 27-1-1982
माहर :

अर्जन रज 1, दिल्ली/नई दिल्ली

**Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)**

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/ACQ-ISR-III/5-81/216.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K-18, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobind Ram S/o Ganesh Dass, Raj Rani w/o Gobind Ram; Smt. Som Wati w/o late Bhooli Singh R/o K-17, Green Park Extn., New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. J. S. Mathur S/o Dr. D. S. Mathur and Dr. (Mrs.) Madalsa Mathur w/o J. S. Mathur r/o E-12, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette .

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Incomplete house (temporary structure) on plot No., K-18, 208 sq. yds. Ihsara No. 4, Khatuni No. 12/56, Green Park Extn., (Hari Nagar), New Delhi area of village Yusuf Sarai, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date : 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of
Seal : Income Tax, Acquisition, Range 1
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई०ए०सी०/एक्पू०-I/एस० आर०-II/5-81/306--अनं मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अधीन गण्य अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि रयाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सख्या 14/12 है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावृत्त सुपूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तहत तारीख मई, 1981 को पूर्वांकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिका के लिए 'न्याय' की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अक्षतपूर्ण रूप से उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिका में, ऐसे उद्योग प्रतिका के तहत प्रविष्ट किया है और अन्तरक (अन्तरक) और उद्योग (अन्तरक) के बीच में अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिका, विनिर्दिष्ट, उद्देश्य से उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण के लिए निम्नलिखित आय का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रभाव के तहत न्याय के अधिनियम में उक्त आय का उद्देश्य से उचित बाजार के लिए ;

(ख) ऐसे निम्नलिखित आय का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रभाव के तहत न्याय के अधिनियम में उक्त आय का उद्देश्य से उचित बाजार के लिए ;

आर० अर०, उक्त अधिनियम के धारा 269-1 के अनुवर्णन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-2 का उद्देश्य (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

- 1 स्वयंसेवक एम० एम० पुरी सुपुत्र एम० एम० पुरी, पता नं०-11, डी० डी० ए० फ्लैट, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2 राजेश मलिक सुपुत्र श्री नन्द किशोर पता 3/1 कालका जी, नई दिल्ली (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वक सम्पत्ति के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि में निम्नलिखित में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदित करने के लिए निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

संकेतकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रभाव में 20-रु० में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14/12, कालका जी, नई दिल्ली, क्षेत्र 200 वर्ग गज।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,
राज्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजय रैज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-1982
संहर।

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq-I/SR-II/5-81/306—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 14/12, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sq Ldr. S. M. Puri S/o Sh. S. L. Puri, R/o B-76, DDA Flats, Masjid Moth, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Rajesh Malik S/o Sh. Nand Kishore, R/o 3/1, Kalkaji, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. 14/12 Kalkaji, New Delhi measuring 200 sq yds.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई०ए०सी०/एक्व०-1/एस० आर०-II/5-81/310—यस्य मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा है) की धारा 269-घ के अधीन न्याय अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जे/1851 है तथा जो चित्तोजन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्णक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित या आर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष विधि में सम्पत्ति रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी मात्र की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहे या, विधान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ(1) की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. डा० अमीय कुमार बासु
पी-32, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री मती विजया जोशी, एस-230
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या भूस्वामियों व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1851 ब्लॉक नं० जे०, क्षेत्र 217 वर्ग मीटर चित्तोजन पार्क नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण),
तारीख 27-1-82 अर्जन रेंज दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/310.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Plot No. 1851, Block-J situated at Chittranjan Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer : and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Dr. Amiya Kumar Basu, P-32, South Extension, Part-II New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Vijaya Joshi, S-230, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 1851, Block-J area 217 sq. yds. Chittranjan Park, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ

(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एचयू०-I/एस० आर०-III/5-81/323 —प्रत मुझे, एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मजम अधिकांश को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सी-455 है तथा जो डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इनमें ताबूत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दूरान्तर प्रतिकर के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सामान्य रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उगम करने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

2 रमेश कुमार जैन, 405-कुचा ब्रजवाध,
चावनी चौक दिल्ली।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के पदों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के अन्तर में सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करना है, जो उक्त सम्पत्ति के पदों के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात् 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अर्थात् में दिया गया है।

अनुसूची

सी-455, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, मजम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-82

मोहर :

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. 1/SR-III/5-81 323.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. C-455, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

1. प्रेम कोषकर, कु० बेला कोषकर और दूसरे

सी-438, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Prem K. Bar, Miss Bela Kochar, Miss Gauri Kochar, Gopal Kochar and Gobind Kochar, r/o C-438, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Jain, 405, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-455, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एचयू०-1/एस० आर०-III/5-81/197. — अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या न० 2 है तथा जो फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची से पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्य से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-निर्दिष्ट व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैग० एमकोर्ट्स ट्रेडर लि०, रजि० एन०आईएस हाउस, रोपनारा रोड, दिल्ली 1 (अन्तरक)

2. मैग० निजी नागा इडिया प्रा० लि०, रजि० आफिस मन्नाजन हाउस ई-1 एड 2 साऊथ ऐक्सलन्ट पाठे-2, रिग रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती) को यह सूचना जाग करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिता पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विवृद्ध हिस्सा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 2, फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली 1

एम०आर० गुप्ता, मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 23-1-82,

माह

Notice Under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq.-ISR-III/5-81/197.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Bungalow No. 2, situated at Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Escorts Tractors Limited, Registered Office at Escorts House, Roshanara Road, Delhi. (Transferor) ;
- (2) M/s. Niky Tasha India (P) Limited, Registered Office at Mahajan House, E-1 and 2, South Extension Part II, Ring Road, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 2, Friends Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 23-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/5-81/256.—प्रत. मुझे, एस० आर० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् गुप्ता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सी-89 है तथा जो आनन्द निकेतन, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्र प्रमाण अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शिव नब सिंह ब्राह्मण निवासी सी-89, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. डा० धर्मवीर मन्वेदा और श्रीमतां चम्पा मन्वेदा निवासी के-35, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोद्वैताक्षरी के पात्र लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० सी-89, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली ।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-1-82

मोहर :

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/256.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. C-89, situated at Anand Niketan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Nabh Singh Uberoi, C-89, Anand Niketan, New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Dharam Vir Sachdeva and Mrs. Champa Sachdeva r/o K-35, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-89, Anand Niketan, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 23-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range 1
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के
अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं. आई. एं. सी. ०/एक्यू-1/एस. ० धारा 11/5-81/320—अतः मुझे, एस. ० धारा ० गुप्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधिनियम मक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या पी-8/सी है तथा जो हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफ अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 81, 81 का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, निम्न दृष्टान्त प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच निम्न अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल 1270 GI/81—3

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, यथा:—

1. श्रीमती. सुमित्रा डी. एन. सिंह पता नं० 8/सी, हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती. माहिनी जयदेव रोलबानी और दूसरे पी-8/सी हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी करके सूचित सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में सम्पत्ति हांती है, के भीतर पूर्वक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध है या अन्य व्यक्तियों द्वारा, अर्थात्स्वाधरी के पाय लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्या—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुभाग 20-क में यथा-वर्णित है, यहाँ परबे होंगे, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० पी-8/सी, हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली।

एस० धारा ० गुप्ता, मक्षम अधिकारी

तारीख 23-1-1982

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहोर

घर नं० 1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/320.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. P-8/C, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Sumitra Dogar Singh r/o, D-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi. (Transferor);
(Transferor)
- Smt. Mohini Jaidev Dolwani and others r/o P-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. P-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 23-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I

Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन प्रकाशित

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एच० 1/एस०आर०-III/5-81/59—धन: मुझे, एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन गवस अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जी-36 है तथा जो राधे पुरी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तविक प्राप्ति, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कम करने या उचित रूप में सुविधा के लिए और/या
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अधीन:—

- 1 राकेश कुमार काहली गुरुत श्री बाल सुकुंद और दूसरे, जी-36, राधे पुरी, दिल्ली-51 —(अन्तरक)
- 2 द्वारका नाथ नाथ पाल गुरुत श्री लक्ष्मण दाग, जी-3/21 इण्डिया नगर दिल्ली-51 —(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति

- (क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के धार में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रॉ० न जी-36 क्षेत्र बंगे राज ग्राम खुर्जी खाम राधे पुरी, दिल्ली।

तारीख 27-1-82
मोहर

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-IV/5-81/59.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. G-36, situated at Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Rakesh Kumar Kohli S/o Shri Bal Mukand Kohli and others r/o G-36, Radhey Puri, Delhi-51. (Transferor);
- Shri Dwarka Nath Nagpal S/o Shri Lachhman Dass r/o D-3/21, Krishna Nagar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-36, area 228 sq. yd. Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प्र(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1982

सं० आई०ए०सी० एक्स्प०-1/एस० ग्रा०-III/5-81/190.-प्रतः मुझे, एस० ग्रा० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 प्र के अधीन नजम अधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या डी-28 है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उक्त अधिनियम की पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफिस के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन संचालित है, 1981 को पूर्णक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- अन्तरण से हुई कमी या अतिरिक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ/किया जाता आ/किया था छिपाने में सुविधा के लिए,

आतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

- श्री एल० ग्रा० गुप्ता और श्री पी० सी० गुप्ता सुपुत्र श्री मोहन लाल निवासी ए-10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री लखी लाल निवासी और श्री गंगा लाल निवासी पता :—21-जंगपुरा रोड, मोहन, नई दिल्ली। (अन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्णक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति ;

- हम सूचना के राजपत्र 4 प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि बाद में मंजूर होती है, के भीतर पूर्णक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिनियम के पाठ निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुभाग 20-क में म्हावर-निम्नलिखित में, यही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

प्रत्युत्तरी

प्रॉ० नं० डी-28, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

सं० 29-1-1982
सील

एस० ग्रा० गुप्ता, मन्त्र अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अन्तर रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002
को० जी० न.य.र. अपर सचिव

Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 29th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/190.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. D-28, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. R. Luthra and Shri P. C. Luthra S/o Shri Mohan Lal r/o A-10, Green Park, New Delhi.
(Transferor).

- (2) Shri Chotey Lal Tiwari and Shri Hira Lal Tiwari r/o 24-Jangpura Road, Bhogal, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. D-28, Jangpura Extension, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority
Date 29-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of
Seal Income Tax, Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.
K. G. NAIR, Additional Secy.